सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अत्यंत वृहद लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत देश में वर्ष 2022 तक 100 GW, अर्थात् 1,00,000 मेगावाट, की सौर परियोजनाएँ स्थापित होंगी। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में, मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों मे से है। देश की, अपितु एशिया की, सबसे बड़ी परियोजना (130 मे.वा.) नीमच में स्थित है। विश्व की सबसे बड़ी परियोजना (750 मेगॉवाट) रीवा में स्थापित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, राज्य में नेट मीटरिंग व्यवस्था लागू की गई है, जिसके अंतर्गत काफी अधिक संख्या में सौर संयंत्र लगना अपेक्षित है। इस प्रकार, देश में, विशेषकर मध्य प्रदेश में, काफी संख्या में सौर ऊर्जा आधारित रोजगार की संभावनाएँ निर्मित हो रहीं हैं।

2. कौशल विकास एवं रोजगार सृजन की दिशा में, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्यरत प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान, 'राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान' (NISE) द्वारा, 'सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम' प्रारंभ किया गया है। सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत, आई.टी.आई./डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को, सौर ऊर्जा से संबंधित स्थापना, कमीशनिंग एवं संचालन–रखरखाव हेतु, 600 घण्टे/03 माह का 30–30 के बैच में, आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण हेतु शत्प्रतिशत राशि (अधिकतम रू. 12. 84 लाख प्रति प्रशिक्षण) NISE भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

3. सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम किसी भी संस्था में लागू किया जा सकता है। प्रथम चरण में शासकीय आई.टी.आई. एवं शासकीय पॉलिटेकनिक संस्थानों में लागू किया गया है। जिससे यह संस्थान और सशक्त हो सके, इनके शिक्षकों को नए अनुभव व आवश्यक पारिश्रमिक मिल सके और यहॉ के छात्र–छात्राओं को रोजगार के लिए बेहतर तैयार किया जा सके। अब तक 26 संस्थानों के प्रस्तावों (आई.टी.आई.–12, पॉलिटेकनिक–12,क्रिस्प–01 व ऊर्जा अध्ययन एवं शोध केन्द्र इंदौर–01) में से 09 संस्थानों की स्वीकृत NISE से प्राप्त हुई थी व सभी 09 संस्थानों में प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है। इन संस्थानों में 255 छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया है जिसमें से अब तक 48 का प्लेसमेंट कराया गया है व शेष हेतु प्रयास किए जा रहे है। क्रिस्प भोपाल द्वारा प्रशिक्षित छात्र–छात्राओं का 90 प्रतिशत प्लेसमेंट कराया गया है। सूची संलग्न है।

4. उक्त कार्यक्रम के संस्थानों में प्रशिक्षण हेतु बुनियादी मानदण्ड निम्नानुसार हैः

- संस्थान में क्लास रूम, बेसिक सोलर एवं इलेक्ट्रिकल लैब व सौर पॉवर प्लांट (न्यूनतम 1 कि.वा.) होना चाहिए।
- संस्थान में योग्य शिक्षक उपलब्ध होने चाहिए। प्रशिक्षण से संबंधित, पाठ्यक्रम संलग्न है।
- संस्थान द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के रहने की व्यवस्था परिसर में अथवा समीपस्थ करनी होगी।
- एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकतम 30 प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हो सकते हैं।
- प्रशिक्षण तीन माह का होगा। अतः एक संस्थान, वर्ष में अधिकतम, 04 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर सकता है।
- उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आवासीय होगा, जिसमे रहने–खाने की व्यवस्था, सुरक्षा एवं लड़के एवं लड़कियो के लिए पृथक से व्यवस्था होना अनिवार्य है।
- महिलाओं एवं आरक्षित वर्ग को विशेष रूप से शामिल किया जाना होगा।

सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण

क्र.	संस्था	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षित छात्र–छात्राओं की संख्या	प्लेसमेंट
1	शासकीय स.व. पोलीटेकनिक महाविद्यालय, भोपाल	16.12.2015 – 15.03.2016	30	–
2	शासकीय उज्जैन पोलीटेकनिक महाविद्यालय, उज्जैन	16.12.2015 – 15.03.2016	30	–
3	शासकीय श्री वैष्णव पोलीटेकनिक महाविद्यालय, इन्दौर	16.12.2015 – 15.03.2016	30	10
4	शासकीय कलानिकेतन पोलीटेकनिक महाविद्यालय, जबलपुर	16.12.2015 – 15.03.2016	22	–
5	शासकीय डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पोलीटेकनिक महाविद्यालय, ग्वालियर	11.01.2016 – 10.04.2016	26	–
6	ऊर्जा अध्ययन एवं शोध केन्द्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर	16.12.2015 – 15.03.2016	27	07
7	शासकीय आदर्श आईटीआई भोपाल	07.11.2016 – 16.02.2017	30	04
8	शासकीय आईटीआई रीवा	16.05.2016 – 12.08.2016	30	–
9	क्रिस्प भोपाल	15.09.2016 – 15.12.2016	30	27
	कुल		**255**	**48**

सूर्यमित्र स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित संस्थान

शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय

क्र.	संस्था
1	महात्मा ज्योतिराव फुले पोलीटेकनिक महाविद्यालय, खण्डवा
2	शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, सनावद
3	शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, खुरई
4	शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, बैतूल
5	शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, सिवनी
6	शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय, जावरा
7	एस.ए.टी.आई. पोलीटेकनिक महाविद्यालय, विदिशा

शासकीय आई.टी.आई.

क्र.	संस्था
1	गैस राहत आईटीआई भोपाल
2	आईटीआई राजगढ़
3	आईटीआई इन्दौर
4	आईटीआई नीमच
5	आईटीआई जबलपुर
6	आईटीआई शहडोल
7	आईटीआई ग्वालियर
8	आईटीआई होशंगाबाद
9	आईटीआई सागर
10	आईटीआई मुरैना